भारत सरकार
रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय
औषध विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या †3789
दिनांक 11 अगस्त, 2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना

†3789. श्री लल्लू सिंह:

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या विगत तीन वर्षों के दौरान देश में प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना में पर्याप्त वृद्धि हुई हैं;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या उत्पाद बास्केट अथवा पीएमबीजेपी योजना में वृद्धि हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या सरकार द्वारा देश में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कोई तंत्र अपनाया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ङ) सरकार द्वारा पीएमबीजेपी के प्रचार-प्रसार के लिए अपनाए गए तंत्र का ब्यौरा क्या है और देश में दवाओं की वहनीयता के बारे में आम जनता को जागरूक करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है?

उत्तर
रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री (श्री भगवंत खुबा)

(क) और (ख): प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के अंतर्गत केंद्रों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो वर्ष 2014-15 में लगभग 80 केंद्रों की तुलना में बढ़कर जुलाई, 2023 तक 9,600 से अधिक हो गई है। इसी प्रकार विगत नौ वर्षों में बिक्री लगभग 7.29 करोड़ रुपये से बढ़कर 1235.95 करोड़ रुपये हो गई है। वित्तीय वर्षवार आंकड़े इस प्रकार हैं:

वर्ष	खोले गए पीएमबीजेपी केंद्रों की संख्या (वर्ष के अंत तक संचयी)	वर्ष के दौरान एमआरपी मूल्य पर बिक्री करोड़ में (रुपए करोड़ में)

2014-2015	80	7.29
2015-2016	269	12.16
2016-2017	1080	32.66
2017-2018	3306	140.84
2018-2019	5140	315.70
2019-2020	6306	433.61
2020-2021	7557	665.83
2021-2022	8610	893.56
2022-2023	9304	1235.95
2023-2024 (31.07.2023 तक की स्थिति के अनुसार)	9668	450.08

(ग): पीएमबीजेपी की उत्पाद टोकरी वर्ष 2014-15 में 361 दवाओं की तुलना में बढ़कर वर्तमान में 1,800 दवाएं और 285 सर्जिकल उपकरण हो गई है, जिसमें सभी प्रमुख चिकित्सीय समूह जैसे कार्डियोवास्कुलर, एंटी-कैंसर, एंटी-डायबिटीज, एंटी-इन्फेक्टिव, एंटी-एलर्जी, गैस्ट्रो-इंटेसटायिनल दवाएं, न्यूट्रास्यूटिकल्स, आदि शामिल हैं। विभिन्न न्यूट्रास्यूटिकल और कुछ आयुष उत्पादों को भी उत्पाद टोकरी में शामिल किया गया है।

(घ): जनऔषधि केंद्रों पर दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए योजना की कार्यान्वयन एजेंसी, भारतीय औषधि एवं चिकित्सा उपकरण ब्यूरो (पीएमबीआई) ने देश भर में चार गोदामों और 36 वितरकों का एक सुदृढ़ नेटवर्क स्थापित किया है और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सक्षम परिपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला प्रणाली और एसएपी आधारित इन्वेंट्री प्रबंधन प्रणाली लागू की है।

(ड.): पीएमबीआई प्रिंट मीडिया, रेडियो, टीवी, सिनेमा, बाह्य (आउटडोर) प्रचार के साथ-साथ सोशल मीडिया में विज्ञापनों के माध्यम से इस योजना को बढ़ावा देता है। इसके अतिरिक्त योजना के बारे में अधिक प्रचार-प्रसार और जागरूकता फैलाने के लिए हर साल 7 मार्च को जन औषधि दिवस मनाया जाता है।

*****